विषय–सूची

1. ऐतिहासिक अध्ययन की रूपरेखा 1–12

भारतीय उपमहाद्वीप का भू-आकृतिक विभाजन 1
- उत्तरी पर्वत श्रृंखला 1
- नदियां 1
- प्रायद्वीपीय भारत 2

सभ्यता तथा सांस्कृतिक विकास में भूगोल एवं पर्यावरण की भूमिका 3

प्राचीन भारतीय इतिहास का काल विभाजन 4
- प्रागैतिहासिक काल 4
- आद्य इतिहास 5
- ऐतिहासिक काल 7
- इतिहास लेखन में साक्ष्यों का महत्व 11

2. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत 13–22

पुरातात्विक स्रोत 13
- सिक्के 13
- अभिलेख 14
  - राजकीय अभिलेख 15
  - आनुष्ठानिक अभिलेख 15
  - प्रशस्ति अभिलेख 15
  - दानपत्र अभिलेख 15
- स्मारक एवं भवन 15
- मूर्तियां 16
- प्रस्तर एवं धातु के उपकरण 16
- मृद्भांड 16
- मुहरें 16
- चित्रकला 16

साहित्यिक स्रोत 17
- धार्मिक साहित्य 17
  - ब्राह्मण साहित्य 17
  - बौद्ध साहित्य 18
  - जैन साहित्य 19
- धर्मेतर साहित्य 19
  - भारतीय साहित्य 19
  - विदेशी विवरण 20

बॉक्स/तालिका
- *प्राचीन काल के सिक्के* 14
- *विदेशी यात्री, इतिहासकार एवं राजदूत* 20

3. प्रागैतिहासिक काल 23–35

पुरापाषाण काल 23
- निम्न पुरापाषाण काल 23
  - सोहन घाटी 25
  - नर्मदा घाटी 25
  - कश्मीर घाटी 25
  - बेलन घाटी 25
  - दक्षिण भारत 25
- मध्य पुरापाषाण काल 26
- उच्च पुरापाषाण काल 27

मध्यपाषाण काल 27
- बागोर 27
- लंघनाज 27
- आदमगढ़ एवं भीमबेटका 28
- गंगा द्रोणी 28

नवपाषाण काल 29
- मेहरगढ़ 29
- कश्मीर 30
- बेलन घाटी 30
- मध्य गंगा घाटी 30
- दक्षिण भारत 31

बृहत्तर सिंधु सभ्यता की आरंभिक बस्तियां 32
- मेहरगढ़ 34
- क्वेटा घाटी 34
- अंजीरा और स्याह दंब 34
- राणा घुंडई 34
- कुली, नाल एवं बालाकोट 34
- गोमल घाटी 34
- पश्चिमी पंजाब 34
- सिंध 34
- घग्घर–हाकरा घाटी 35

बॉक्स/तालिका

– *पाषाणकालीन प्रमुख स्थल* 32

मानचित्र

– *भारतीय उपमहाद्वीप में प्रागैतिहासिक संस्कृतियां* 24

– *भारतीय उपमहाद्वीप में मुख्य पुरापाषाणकालीन स्थल* 26

– *भारतीय उपमहाद्वीप के मुख्य मध्यपाषाणकालीन स्थल* 28

– *भारतीय उपमहाद्वीप में मुख्य नवपाषाणकालीन स्थल* 31

4. सिंधु घाटी सभ्यता 36–51

सिंधु घाटी सभ्यता का परिचय 36

सिंधु सभ्यता का कालक्रम 37

सिंधु सभ्यता का उदय एवं विकास: विभिन्न मत 38

सिंधु सभ्यता का भौगोलिक विस्तार 40

- बलूचिस्तान 41
- उत्तर-पश्चिमी सीमांत 41
- सिंध 41
- पश्चिमी पंजाब 41
- बहावलपुर 41
- राजस्थान 41
- हरियाणा 41
- पूर्वी पंजाब 41
- गंगा-यमुना दोआब 41
- महाराष्ट्र 41
- जम्मू 41
- गुजरात 41

सिंधु सभ्यता की नगर योजना 42

सिंधु सभ्यता के प्रमुख नगर 43

- हड़प्पा 43
- मोहनजोदड़ो 43
- चन्हुदड़ो 43
- कालीबंगा 43
- लोथल 43
- सुरकोटड़ा 43
- बनवाली 44
- कोटदिजि 44
- सुत्कागेंडोर 44
- बालाकोट 44
- रोपड़ 44
- धौलावीरा 45
- भगवानपुरा 45
- राखीगढ़ी 45

सिंधु सभ्यता के विभिन्न पहलू 45

- आर्थिक जीवन 45
  - कृषि एवं पशुपालन 45
  - शिल्प एवं कला 45
  - व्यापार 46
- सामाजिक जीवन 47
- शासन व्यवस्था 48
- धार्मिक जीवन 48

सिंधु घाटी सभ्यता का पतन 48

सिंधु सभ्यता की उत्तरजीविता और सातत्य 50

बॉक्स/तालिका

– *सिंधु सभ्यता का उत्थान : विभिन्न विचार* 38

– *सिंधु सभ्यता का क्षेत्रीय विस्तार एवं प्रमुख स्थल* 42

– *सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल* 44

– *सिंधु सभ्यता के प्रमुख आयात* 47

– *सिंधु सभ्यता का पतन: विभिन्न दृष्टिकोण* 49

मानचित्र

– *हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल* 36

5. उपसिंधु संस्कृति 52–59

आहड़ संस्कृति (2000 ईसा पूर्व-1200 ईसा पूर्व) 52

कायथा संस्कृति (2450 ईसा पूर्व-2000 ईसा पूर्व) 52

जोर्वे संस्कृति (1400 ईसा पूर्व-700 ईसा पूर्व) 52

हड़प्पा नगरोत्तर अवस्था (स्वात घाटी) 56

दक्षिण भारतीय संस्कृति (2300 ईसा पूर्व-900 ईसा पूर्व) 56

ताम्र-पाषाणिक सभ्यता (पूर्वी भारत) 56

ऊपरी गंगा घाटी तथा गंगा-यमुना दोआब 56

ताम्र-पाषाण संस्कृति का महत्व एवं दुर्बलताएं 57

- महत्व 57

- दुर्बलताएं 57

लौह प्रयोक्ता संस्कृतियां 59

- चित्रित धूसर मृद्भांड संस्कृति 59
- मध्य भारत 59
- पूर्वी भारत 59
- दक्षिण भारत 59

बॉक्स/तालिका

– *ताम्र-पाषाण काल के प्रमुख स्थल* 56

मानचित्र

– *आहड़-बनास परिसर में उत्खनित स्थल* 53

– *भारतीय उपमहाद्वीप में मुख्य ताम्र-पाषाणकालीन संस्कृतियां* 54

– *भारतीय उपमहाद्वीप में काले-लाल मृद्भांड संस्कृति, चित्रित धूसर मृद्भांड संस्कृति तथा उत्तरी काले चमकदार मृद्भांड संस्कृति* 55

– *गैरिक मृदभांड संस्कृति (ओसीपी), ताम्र भंडार संस्कृति* 58

6. आर्य एवं वैदिक संस्कृति 60–73

आर्य तथा उनका मूल निवास स्थान 60

आर्यों का भौगोलिक विस्तार 61

वैदिक साहित्य 63

वैदिक सभ्यता का पुनर्निर्माण 63

ऋग्वैदिक तथा उत्तर वैदिक सभ्यता के विभिन्न पहलू 64

- राजनीतिक जीवन 64
- सामाजिक जीवन 66
- आर्थिक जीवन 68
- धार्मिक जीवन 69

धार्मिक विचार एवं कर्मकांडों का विकास 71

वैदिक एवं सिंधु सभ्यता में समानताएं एवं असमानताएं 72

- समानताएं 72
- असमानताएं 73

बॉक्स/तालिका

– *आर्यों के मूल निवास स्थान से संबंधित विभिन्न दृष्टिकोण* 60

– *वेद एवं उनके पुरोहित* 63

– *वेद, ब्राह्मण और उपनिषद्* 63

– *लौह तकनीक* 69

– *ऋग्वेद का देवमंडल* 70

– *वैदिक काल के प्रमुख यज्ञ* 71

मानचित्र

– *ऋग्वेद के सप्त-सैंधव प्रदेश* 61

– *उत्तर वैदिक सभ्यता (1000-600 ईसा पूर्व)* 62

7. महापाषाणयुगीन संस्कृति और संगम काल 74–86

महापाषाण काल तथा कालक्रम 74

- महापाषाणकालीन स्थल 74
- महापाषाणकालीन संस्कृति 74
- महापाषाणीय स्मारक 74

बहुपाषाणिक स्मारक 74

एकाश्मक स्मारक 75

कक्षविहीन स्मारक 75

गुफाकार स्मारक 75

संगम काल 75

- संगमकालीन प्रमुख राजवंश 76

चेर 76

चोल 76

पांड्य 77

- संगमकालीन राज्यों की पृष्ठभूमि 77
- संगमकालीन राज्य व्यवस्था 77
- संगमकालीन समाज 78
- संगमकालीन अर्थव्यवस्था 79
- संगमकालीन धर्म, कला एवं संस्कृति 82
- संगम साहित्य 83

प्रथम संगम 83

द्वितीय संगम 83

तृतीय संगम 83

आख्यानात्मक काव्य 84

उपदेशात्मक काव्य 84

संगम काल से संबद्ध पुरातात्विक उत्खनन एवं खोजें 84

- संगम काल के प्रमुख स्थल 85

अदिचनल्लुर 85

कीलाड़ी 86

- संगम युग के स्थलों से प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण 86

सामग्री और संरचनात्मक अवशेष
भवन और अन्य संरचनाएं 86
मृद्भांड और मृत्तिका शिल्प 86
उपकरण 86
शवाधान 86
लिपियां 86
वीर-शिलाएं 86
सिक्के 86
अन्य कलाकृतियां 86

बॉक्स/तालिका

– *संगम शासकों की राजधानियां* 77
– *संगम काल की मुख्य फसलें* 80
– *संगमकालीन राज्य और बंदरगाह* 81
– *संगम काल में व्यापार* 81
– *तमिल संगम का आयोजन* 83
– *संगम साहित्य एवं उनके रचनाकार* 84

मानचित्र

– *दक्षिण भारत में लौह युग तथा महाषाणकालीन मुख्य स्थल* 75
– *संगम काल* 76

8. महाजनपदों का उदय, भौतिक संस्कृति का प्रसार तथा द्वितीय नगरीकरण 87–101

महाजनपदों के उदय के कारण 87
प्रमुख महाजनपद 88
• अंग 88
• मगध 89
• वज्जि 89
• काशी 89
• कोसल 89
• मल्ल 89
• वत्स 89
• कुरु 90
• पांचाल 91
• शूरसेन 91
• मत्स्य 91
• चेदि 91
• अवंति 91
• गांधार 91
• कंबोज 92
• अस्मक (या अश्मक) 92
महाजनपदों की शासन प्रणाली 92
गणराज्य 93
• गणराज्यों के उदय के कारण 93
• प्रमुख गणराज्य 93
कपिलवस्तु के शाक्य 93
रामग्राम के कोलिय 93
सुमसुमार के भग्ग 94
केसपुत्त के कालाम 94
अलकप्प के बुलि 94
मिथिला के विदेह 94
पिप्पलिवन के मोरिय 94
• गणराज्यों का शासन 94
• गणराज्यों के पतन के कारण 95
महाजनपद काल में राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थिति 95
• राजनीतिक स्थिति 95
• सामाजिक जीवन 96
• कला एवं साहित्य 97
भौतिक संस्कृति का प्रसार तथा द्वितीय नगरीकरण 98
• प्रथम एवं द्वितीय नगरीकरण में अंतर 101

बॉक्स/तालिका

– *प्रमुख महाजनपद* 88
– *महाजनपद काल में क्षेत्र एवं शासन प्रणाली* 92
– *छठी शताब्दी ईसा पूर्व में गणराज्य* 93
– *छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्रमुख नगर* 98
– *बुद्ध काल में हीनशिल्पों की सूची* 99
– *बुद्धकालीन श्रेणि व्यवस्था* 100
– *बुद्धकालीन व्यापारिक मार्ग* 100
– *बुद्धकालीन निर्यात की वस्तुएं* 100
– *बुद्ध काल के प्रमुख व्यापारिक केंद्र* 100

मानचित्र

– *600 ईसा पूर्व भारत* 90

9. मगध साम्राज्य की स्थापना एवं विस्तार 102–104

मगध के विभिन्न राजवंश एवं शासक 102
• हर्यंक वंश (544-413 ईसा पूर्व) 102
बिम्बिसार (544-492 ईसा पूर्व) 102

अजातशत्रु (492-460 ईसा पूर्व) 102
उदयन (460-444 ईसा पूर्व) 103
- शिशुनाग वंश (412-344 ईसा पूर्व) 103
- नंद वंश (344-323 ईसा पूर्व) 103

मगध के उत्थान के कारण 103

10. बौद्ध एवं जैन धर्म का उदय एवं विकास 105–125

बौद्ध एवं जैन धर्म के उदय की पृष्ठभूमि 105
बौद्ध एवं जैन धर्म कितने क्रांतिकारी? 107
निवृत्तिमार्गी संप्रदायों का उदय 108
- निवृत्तिमार्गी संप्रदाय 108
  - आजीवक 108
  - अक्रियावाद 108
  - भौतिकवाद 108
  - नित्यवाद 108
  - अज्ञेयवाद 108

जैन धर्म: अभ्युदय, प्रसार एवं योगदान 109
- जैन धर्म के सिद्धांत 110
- जैन दर्शन 111
- जैन संघ 111
- जैन धर्म का प्रसार 111
- जैन संप्रदाय: श्वेतांबर एवं दिगंबर 112
  - प्रथम जैन परिषद 112
  - द्वितीय जैन परिषद 112
- जैन धर्म की लोकप्रियता के कारण 112
- जैन धर्म के पतन के कारण 113
- जैन धर्म का योगदान 114

बौद्ध धर्म: उदय, विकास, प्रसार एवं योगदान 114
- बौद्ध धर्म के सिद्धांत 116
- बौद्ध संघ 117
- बौद्ध संगीतियां 118
  - प्रथम बौद्ध संगीति 118
  - द्वितीय बौद्ध संगीति 118
  - तृतीय बौद्ध संगीति 118
  - चतुर्थ बौद्ध संगीति 118
- बौद्ध धर्म के प्रमुख संप्रदाय 118
  - हीनयान संप्रदाय 118
  - महायान संप्रदाय 119
  - महायान संप्रदाय के उदय के कारण 120
  - हीनयान और महायान संप्रदाय में अंतर 120
  - वज्रयान संप्रदाय 121
- बौद्ध साहित्य 121
  - 1. सुत्त पिटक 121
  - 2. विनय पिटक 121
  - 3. अभिधम्म पिटक 121
- बौद्ध धर्म के प्रसार के कारण 122
- बौद्ध धर्म के ह्रास के कारण 122
  - बौद्ध धर्म में आई विकृतियां 122
  - महिलाओं का संघ में प्रवेश 123
  - ब्राह्मण धर्म में सुधार 123
  - ब्राह्मण शासकों का अत्याचार 123
  - तुर्क शासकों का आक्रमण 123
  - सामंती प्रथा का कमजोर पड़ना 123
  - बौद्ध धर्म का विभिन्न संप्रदायों में विभाजन 123
- बौद्ध धर्म का योगदान 123

बौद्ध एवं जैन धर्म सुधार आंदोलनों का स्वरूप 124
जैन एवं बौद्ध धर्म में समानताएं एवं असमानताएं 125
- समानताएं 125
- असमानताएं 125

बॉक्स/तालिका
- *छठी शताब्दी ईसा पूर्व के विभिन्न धार्मिक संप्रदाय* 109
- *जैन धर्म के तीर्थंकर एवं उनके प्रतीक* 109

11. भारत पर विदेशी आक्रमण 126–130

भारत पर ईरानी आक्रमण 126
- सायरस द्वितीय (558-530 ईसा पूर्व) 126
- डेरियस प्रथम (522-486 ईसा पूर्व) 126
- जरक्सीज (486-465 ईसा पूर्व) 126
- ईरानी आक्रमण के प्रभाव 127

भारत पर यूनानी आक्रमण 127
- सिकंदर के आक्रमण के कारण 128
- सिकंदर की सफलता के कारण 129
- सिकंदर के आक्रमण के प्रभाव 130

बॉक्स/तालिका
- *सिकंदर के आक्रमण के समय पश्चिमोत्तर भारत के राज्य* 128

12. मौर्य साम्राज्य 131–145

पृष्ठभूमि 131
मौर्य वंश के प्रमुख शासक 131
• चंद्रगुप्त मौर्य (321-297 ईसा पूर्व) द्वारा साम्राज्य विस्तार तथा शासन 131
चंद्रगुप्त द्वारा साम्राज्य विस्तार 131
चंद्रगुप्त का शासन-प्रशासन 133
चंद्रगुप्त के शासन में धार्मिक स्थिति एवं सहिष्णुता 133
• बिंदुसार (297-273 ईसा पूर्व) 134
• अशोक (273-232 ईसा पूर्व) 134
अशोक एवं कलिंग विजय 134
अशोक का साम्राज्य 135
अशोक के विदेशी राज्यों से संबंध 135
अशोक द्वारा शासन में सुधार 137
अशोक की धम्म नीति: स्वरूप एवं मूल्यांकन 138
अशोक के अभिलेख एवं उनका महत्व 142
मौर्य साम्राज्य का पतन 144

बॉक्स/तालिका

– *सेल्यूकस द्वारा चंद्रगुप्त को दिए गए प्रांत* 133
– *अशोक के पड़ोसी मित्र राज्य* 137
– *अशोक द्वारा नियुक्त अधिकारी* 137
– *शिलालेखों में अशोक का धम्म* 140
– *अशोक के अभिलेखों के खोजकर्ता एवं वर्ष* 142
– *अशोक के अभिलेखों की भाषा* 142

मानचित्र

– *चंद्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य* 132
– *अशोककालीन साम्राज्य (नगर एवं शिलालेख)* 136

13. मौर्यकालीन प्रशासन, समाज, अर्थव्यवस्था तथा धर्म 146–157

मौर्यकालीन प्रशासन 146
• गुप्तचर प्रणाली 147
• अधिकारी तंत्र 149
• सैन्य संगठन 150
• न्याय प्रशासन 150
• प्रशासनिक इकाइयां 150
प्रांतीय प्रशासन 150
स्थानीय प्रशासन 151
नगर प्रशासन 151
• राजस्व प्रणाली 152
मौर्यकालीन सामाजिक व्यवस्था 152
• वर्ण व्यवस्था 152
• शूद्रों की स्थिति में सुधार 152
• जाति व्यवस्था का अभ्युदय 153
• स्त्रियों की स्थिति 153
• दास प्रथा 153
• ग्रामीण एवं नगरीय जीवन 154
मौर्यकालीन आर्थिक व्यवस्था 154
• राजकीय भूमि 154
• सिंचाई व्यवस्था 154
• राज्य के नियंत्रणाधीन वन एवं चरागाह 155
• उद्योग-व्यापार 155
मौर्यकालीन धार्मिक जीवन 157

बॉक्स/तालिका

– *कौटिल्य का अर्थशास्त्र* 147
– *अर्थशास्त्र में वर्णित 18 तीर्थ* 149
– *अर्थशास्त्र के अनुसार विभाग अध्यक्ष* 150
– *मौर्यकालीन प्रांत* 151
– *मौर्य काल के अर्द्धशासित राज्य* 151
– *मेगस्थनीज के अनुसार नगर प्रशासन की समितियां* 151
– *मौर्य काल में कर प्रणाली* 152
– *कौटिल्य के अनुसार वर्णसंकर जातियां* 153
– *कौटिल्य के अनुसार दासों के प्रकार* 154
– *मौर्य काल में कृषि से संबंधित शब्द* 155
– *मौर्य काल में उत्पादन से संबंधित केंद्र* 155
– *मौर्यकालीन मुद्रा प्रणाली* 155
– *मौर्यकालीन प्रमुख बंदरगाह* 156
– *मौर्य काल में निर्यात की मुख्य वस्तुएं* 156

14. मौर्यकालीन कला: स्थापत्य एवं मूर्तिकला 158–160

मौर्यकालीन स्थापत्य 158
• भव्य राजप्रासादों का निर्माण 158
• सुंदर मौर्य नगर 158
• उत्कृष्ट स्तंभ 158
स्तंभकला पर विदेशी प्रभाव 159

- स्तूप 159
- गुफा भवन 159

लोक कला/मूर्तिकला 159

15. शुंग एवं कण्व वंश 161–164

मौर्योत्तर राजनीतिक भू-दृश्य 161

शुंग वंश (185-75 ईसा पूर्व) 161

- शुंग शासन की जानकारी हेतु स्रोत 161
- शुंग वंश के शासक 162
  - पुष्यमित्र शुंग (185-148 ईसा पूर्व) 162
  - अग्निमित्र 163

कण्व वंश (75-60 ईसा पूर्व) 163

शुंग एवं कण्वकालीन सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थिति 163

बॉक्स/तालिका

- *मिलिन्दपण्हो में उल्लिखित व्यवसाय* 164
- *शुंगकालीन प्रमुख व्यापारिक केंद्र* 164
- *शुंगकालीन निर्यात की वस्तुएं* 164
- *शुंगकालीन प्रमुख बंदरगाह* 164
- *शुंगकालीन सिक्के* 164

16. भारत पर विदेशी शासन 165–174

बैक्ट्रियन (हिंद-यूनानी शासक) राजवंश 165

- हिंद-यूनानी शासकों की जानकारी के स्रोत 165
- बैक्ट्रियन द्वारा भारत पर आक्रमण के कारण 165
  - बैक्ट्रिया की स्वतंत्रता 165
  - बाह्य दबाव 165
- प्रमुख हिंद-यूनानी शासक 166
  - डेमेट्रियस (190-165 ईसा पूर्व) 166
  - यूक्रेटाइडस 166
  - मिनांडर (165-145 ईसा पूर्व) 166
- यूनानी संपर्क का प्रभाव 167

शक एवं पह्लव शासक 168

- शक शासक 168
  - नासिक के शक क्षत्रप 169
  - उज्जैन के शक क्षत्रप 169
  - तक्षशिला के शक क्षत्रप 170
  - मथुरा के शक क्षत्रप 170
- पह्लव शासक 170

कुषाण वंश 172

- कुषाण वंश के प्रमुख शासक 172
  - कुजुल कडफिसस (15-65 ईसवी) 172
  - विम कडफिसस (65-78 ईसवी) 172
  - कनिष्क (78-101 ईसवी) 172
- कनिष्क के उत्तराधिकारी 174
  - वासिष्क (102-106 ईसवी) 174
  - हुविष्क (106-138 ईसवी) 174
  - कनिष्क द्वितीय 174
  - वासुदेव प्रथम (141-176 ईसवी) 174

बॉक्स/तालिका

- *रुद्रदामन द्वारा विजित प्रदेश* 170

मानचित्र

- *पश्चिमोत्तर भारत के साम्राज्य* 169
- *भारत: 150 ईसा पूर्व* 171

17. आंध्र-सातवाहन युग 175–182

सातवाहन वंश की पृष्ठभूमि 175

सातवाहनों के बारे में जानकारी के स्रोत 175

सातवाहनों का निवास स्थान 176

सातवाहन वंश के शासक 177

- सिमुक (60-37 ईसा पूर्व) 177
- कृष्ण (37-27 ईसा पूर्व) 177
- शातकर्णि प्रथम (27-17 ईसा पूर्व) 177
- हाल (20-24 ईसवी) 177
- गौतमीपुत्र शातकर्णि (106-130 ईसवी) 177
- वासिष्ठीपुत्र पुलुमावि (130-154 ईसवी) 178
- यज्ञश्री शातकर्णि (165-194 ईसवी) 178

सातवाहन काल में प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था 178

- प्रशासनिक व्यवस्था 178
- सामाजिक व्यवस्था 179
- आर्थिक स्थिति 180
- धार्मिक जीवन 181
- कला, स्थापत्य एवं साहित्य 182

बॉक्स/तालिका

- *सातवाहन काल में प्रशासन में भाग लेने वाली महिलाएं* 179

– *सातवाहन काल में अधिकारी* 179
– *सातवाहनकालीन प्रशासनिक इकाई* 179
– *सातवाहनकालीन सिक्के* 181
– *सातवाहन काल में भारत का व्यापार* 181
– *सातवाहनकालीन प्रमुख बंदरगाह* 181
– *सातवाहनकालीन प्रमुख व्यापारिक नगर* 181

मानचित्र

– *आंध्र-सातवाहन क्षेत्र को दर्शाता मानचित्र* 176

18. वाकाटक एवं कलिंग का चेदि राजवंश 183–185

वाकाटक वंश 183
- वाकाटक वंश के शासक 183
  - विंध्यशक्ति (255-275 ईसवी) 183
  - प्रवरसेन प्रथम (275-335 ईसवी) 183
- प्रवरपुरा-नंदिवर्धन शाखा 183
  - रुद्रसेन प्रथम (335-360 ईसवी) 183
  - पृथ्वीसेन प्रथम (360-385 ईसवी) 183
  - रुद्रसेन द्वितीय (385-390 ईसवी) 183
  - प्रवरसेन द्वितीय (410-440 ईसवी) 183
  - नरेंद्रसेन (440-460 ईसवी) 184
- वत्सगुल्म शाखा 184

वाकाटक प्रशासन और संस्कृति 184

कलिंग का चेदि राजवंश 184
- खारवेल: चेदि राजवंश का प्रतापी राजा 184

19. मौर्योत्तर काल के अन्य छोटे राज्य 186–187

प्रमुख राजतंत्र 186
- मौखरी वंश 186
- मघराज वंश 186
- नाग वंश 186
- मित्र वंश 186

प्रमुख गणराज्य 186
- यौधेय 186
- कुणिंद 186
- मालव 186
- अर्जुनायन 187
- शिवि 187
- मद्रक 187
- लिच्छवि 187
- औदुंबर 187
- वृष्णि 187

विदेशी राज्य 187
- सासानियन राज्य 187
- मुरुंड 187

20. मौर्योत्तरकालीन राजनीतिक - आर्थिक व्यवस्था 188–195

राजनीतिक व्यवस्था 188
- विकेंद्रीकरण की प्रवृत्ति 188
- राजत्व में दैवत्व का सिद्धांत 188
- क्षत्रप तथा सेनानी शासन 189
- द्वैत शासन 189
- सामंतवादी व्यवस्था 189
- प्रांतीय एवं स्थानीय शासकों को प्रदत्त अधिकार 189

आर्थिक व्यवस्था 189
- कृषि 189
- हस्तशिल्प एवं व्यवसाय का विशेषीकरण 189
- श्रेणि संघ 190
- मुद्रा प्रणाली 191
- नगरीकरण 191
- व्यापार 191

मानचित्र

– *मुख्य शहर–आंतरिक व्यापार मार्ग* 192
– *प्राचीन व्यापार मार्ग* 194

21. मौर्योत्तर काल में समाज, धर्म, संस्कृति और विज्ञान 196–202

सामाजिक स्थिति 196

धार्मिक स्थिति 198
- बौद्ध धर्म 198
- ब्राह्मण धर्म 198
- जैन धर्म 199

कला, स्थापत्य, साहित्य तथा विज्ञान 199
- स्थापत्य कला 199
  - स्तूप 199
  - गुफा मंदिर 200
- मूर्तिकला 200

मथुरा शैली 200
गांधार कला 200
- चित्रकला 201
- मृण्मूर्तियां 201
- साहित्य 201
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी 201

22. गुप्त साम्राज्य: उद्भव एवं विकास 203–212

गुप्त वंश की उत्पत्ति 203
गुप्त साम्राज्य की स्थापना हेतु अनुकूल स्थितियां 203
गुप्त वंश के प्रमुख शासक 204
- श्रीगुप्त (275-300 ईसवी) 204
- चंद्रगुप्त प्रथम (319-335 ईसवी) 204
- समुद्रगुप्त (335-375 ईसवी) 204

समुद्रगुप्त की दिग्विजय नीति 204
- रामगुप्त (375-380 ईसवी) 207
- चंद्रगुप्त द्वितीय (380-415 ईसवी) 207
- कुमारगुप्त प्रथम (414-455 ईसवी) 209
- स्कंदगुप्त (455-467 ईसवी) 210

गुप्त साम्राज्य का पतन 211
- पतन के कारण 211

हूणों का आक्रमण 211
सामंतों का स्वतंत्र हो जाना 211
विशाल एवं संगठित सेना का अभाव 211
प्रशासनिक अव्यवस्था 211
कमजोर आर्थिक स्थिति 212
अयोग्य उत्तराधिकारी 212

बॉक्स/तालिका

– *गुप्त वंश की उत्पत्ति संबंधी विचार* 203
– *गुप्तों के मूल निवास स्थान संबंधी विचार* 203
– *समुद्रगुप्त द्वारा जीते गए दक्षिणापथ के राज्य* 206
– *समुद्रगुप्त द्वारा जारी स्वर्ण सिक्के* 207
– *चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार के नवरत्न* 209
– *कुमारगुप्त प्रथम के अभिलेख* 210

मानचित्र

– *समुद्रगुप्त का दक्षिण अभियान* 205
– *गुप्त साम्राज्य* 208

23. गुप्तकालीन प्रशासनिक, आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक व्यवस्था 213–223

गुप्त काल में प्रशासन 213
- केंद्रीय प्रशासन 213
- प्रांतीय शासन 215
- ग्राम प्रशासन 216

गुप्त काल की सामाजिक व्यवस्था 216
- वर्ण व्यवस्था 216
- जाति व्यवस्था 217
- दास प्रथा 218
- स्त्रियों की स्थिति 218

गुप्त काल की अर्थव्यवस्था 219
- कृषि 219
- भूमि एवं भूमि अनुदान 219
- कृषि उपज 220
- शिल्प और उद्योग 220
- सिक्के 220
- व्यापार का ह्रास 220

नगरीय जीवन का ह्रास 221

गुप्तकालीन धर्म 221
- भागवत धर्म 221
- सूर्य उपासना 222
- शैव संप्रदाय 223
- बौद्ध धर्म 223
- जैन धर्म 223

बॉक्स/तालिका

– *गुप्तकालीन अधिकारी वर्ग* 214
– *गुप्तकाल में कर प्रणाली* 215
– *गुप्तकालीन न्याय व्यवस्था* 215
– *गुप्तकालीन प्रांतीय प्रशासनिक इकाई* 216
– *गुप्तकालीन नगर परिषद के सदस्य* 216
– *गुप्तकाल के प्रमुख बंदरगाह एवं नगर* 221

24. गुप्तकालीन कला, मूर्तिकला, स्थापत्य, विज्ञान और शिक्षा व्यवस्था 224–230

गुप्त काल में कला एवं संस्कृति 224
- स्थापत्य कला 224
- मूर्तिकला 225

- चित्रकला 226
- मृण्मूर्तियां 227
- संगीत एवं नृत्य 227
- साहित्य 227

गुप्त काल में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 228
- गणित एवं ज्योतिष शास्त्र 228
- धातु विज्ञान 228
- रसायन एवं भौतिक विज्ञान 228
- औषधि विज्ञान 229

गुप्तकाल में शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएं 229
- प्रमुख शिक्षण संस्थान 229
  - नालंदा 229
  - वल्लभी 229

25. गुप्तोत्तरकालीन उत्तर भारत के प्रमुख राजवंश (300 ईसवी–750 ईसवी) 231–245

मगध के उत्तर गुप्त (490 ईसवी-750 ईसवी) 231
- कृष्णगुप्त 231
- हर्षगुप्त 231
- जीवितगुप्त प्रथम 231
- कुमारगुप्त 232
- दामोदरगुप्त 232
- महासेनगुप्त 232
- देवगुप्त 232
- माधवगुप्त 232
- आदित्यसेन 233

वल्लभी के मैत्रक (475 ईसवी-776 ईसवी) 233

मौखरी वंश (510 ईसवी-606 ईसवी) 233
- मुखर 234
- हरिवर्मन 234
- आदित्यवर्मन 234
- ईश्वरवर्मन 234
- ईशानवर्मन 234
- सर्ववर्मन 234
- अवंतिवर्मन 234
- ग्रहवर्मा 234

मालवा का यशोधर्मन (515 ईसवी-545 ईसवी) 235

गौड़ राज्य (590-625 ईसवी/600-637 ईसवी) 235
- शशांक 235

हूण शासक (500 ईसवी-542 ईसवी) 236
- तिगिन 236
- तोरमाण 236
- मिहिरकुल 236

पुष्यभूति वंश (500 ईसवी-647 ईसवी) 237
- पुष्यभूति वंश के बारे में जानकारी के स्रोत 237
- हर्षवर्धन का शासनकाल 238
  - हर्ष का विजय अभियान 238
- हर्षकालीन प्रशासन 240
- हर्षकालीन धर्मिक व्यवस्था 242
- हर्षकालीन आर्थिक व्यवस्था 242
- हर्षकालीन समाज 243
- हर्षकालीन सांस्कृतिक जीवन 244

बॉक्स/तालिका
- *हर्षकालीन प्रशासन* 241
- *हर्षकालीन कर व्यवस्था* 241
- *हर्षकालीन धार्मिक क्रियाकलाप के केंद्र* 242
- *हर्षकालीन आर्थिक व्यवस्था* 243
- *हर्षकालीन शिक्षा एवं साहित्य* 244

मानचित्र
- *गुप्त साम्राज्य के पतनोपरांत भारत* 232
- *हर्षकालीन साम्राज्य* 239

26. गुप्तोत्तरकालीन दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश (300 ईसवी–750 ईसवी) 246–263

पल्लव राजवंश (275-897 ईसवी) 247
- पल्लवों का उदय 247
- प्रमुख पल्लव शासक 247
  - सिंहविष्णु (575-600 ईसवी) 247
  - महेंद्रवर्मन प्रथम (600-630 ईसवी) 248
  - नरसिंहवर्मन प्रथम (630-668 ईसवी) 248
  - महेंद्रवर्मन द्वितीय (668-670 ईसवी) 249
  - परमेश्वरवर्मन प्रथम (670-695 ईसवी) 249
  - नरसिंहवर्मन द्वितीय (695-722 ईसवी) 249
  - परमेश्वरवर्मन द्वितीय (722-731 ईसवी) 249
  - नंदिवर्मन द्वितीय (731-795 ईसवी) 249

दंतिवर्मन (795-847 ईसवी) 249
नंदिवर्मन तृतीय (847-851 ईसवी) 249
नृपतुंग (851-876 ईसवी) 249
अपराजितवर्मन (876-897 ईसवी) 250
• पल्लव काल में प्रशासनिक व्यवस्था 250
• पल्लव काल में सामाजिक जीवन 251
• पल्लव काल मे धार्मिक जीवन और तमिल भक्ति आंदोलन 251
• पल्लव काल में कला एवं संस्कृति 253
पल्लवकालीन स्थापत्य कला शैली 253
मूर्तिकला 254
चित्रकला 254
साहित्य 254
बादामी और वेंगी के चालुक्य 254
• बादामी (वातापी) के चालुक्य 254
• बादामी (वातापी) के चालुक्य वंश के प्रमुख शासक 254
जयसिंह और रणराग 254
पुलकेशिन प्रथम (540-566 ईसवी) 255
कीर्तिवर्मन प्रथम (567-598 ईसवी) 255
मंगलेश (598-608 ईसवी) 255
पुलकेशिन द्वितीय (608-642 ईसवी) 255
विक्रमादित्य प्रथम (655-681 ईसवी) 256
विनयादित्य (681-696 ईसवी) 256
विजयादित्य (696-733 ईसवी) 256
विक्रमादित्य द्वितीय (733-744 ईसवी) 256
कीर्तिवर्मन द्वितीय (748-754 ईसवी) 256
• चालुक्य शासन 256
• चालुक्य काल में कला और साहित्य 257
• वेंगी के चालुक्य 259
• प्रमुख शासक 259
विष्णुवर्धन (615-633 ईसवी) 259
विष्णुवर्धन चतुर्थ (764-799 ईसवी) 259
विजयादित्य द्वितीय (799-843 ईसवी) 259
विजयादित्य तृतीय (844-888 ईसवी) 259
भीम प्रथम (888-918 ईसवी) 259
मदुरा के पांड्य 260
• पांड्य वंश के प्रमुख शासक 260
अरिकेसरी मारवर्मन (670-710 ईसवी) 260
कोच्च्डैयन (710-740 ईसवी) 260
मारवर्मन राजसिंह प्रथम (740-765 ईसवी) 260
वरगुण प्रथम (765-815 ईसवी) 260
श्रीमार श्रीवल्लभ (815-862 ईसवी) 260
वरगुण द्वितीय (862-880 ईसवी) 261
परांतक वीरनारायण (880-900 ईसवी) 261
मारवर्मन राजसिंह द्वितीय (900-920 ईसवी) 261
वीर पांड्य (920-973 ईसवी) 261
जटावर्मन कुलशेखर (1190-1216 ईसवी) 261
मारवर्मन सुंदर पांड्य (1216-1238 ईसवी) 261
जटावर्मन सुंदर पांड्य प्रथम (1251-1268 ईसवी) 261
मारवर्मन कुलशेखर (1268-1310 ईसवी) 261
• उत्तराधिकार का संघर्ष 262
• कला एवं संस्कृति 262
दक्षिण भारत के अन्य राजवंश 262
• कदंब वंश (345-540 ईसवी) 262
मयूरशर्मन 262
काकुत्सवर्मन 262
शांतिवर्मन 262
मृगेशवर्मन 262
• गंग वंश (250-1004 ईसवी) 263

बॉक्स/तालिका

– *पल्लव वंश के प्रमुख शासक और उनके कार्य* 248
– *पल्लव प्रशासन* 250
– *पल्लव साहित्य, कला एवं धर्म* 252
– *बादामी के चालुक्य वंश के प्रमुख शासक एवं उनके कार्य* 255
– *चालुक्यों (बादामी तथा वेंगी) का प्रशासन तथा कर प्रणाली* 257
– *चालुक्यकालीन साहित्य, स्थापत्य, कला* 258
– *वेंगी के चालुक्य वंश के प्रमुख शासक एवं उनके कार्य* 259
– *पांड्य प्रशासन* 261

मानचित्र

– *दक्कन तथा दक्षिण भारत (300–750 ईसवी)* 246

27. सिंध पर अरबों का आक्रमण तथा शासन 264–267

सिंध में अरबों का प्रवेश 264
अरबों के आक्रमण के कारण 265
- इस्लाम का प्रचार 265
- अल हज्जाज की महत्वाकांक्षा 265
- भारतीय धन-संपत्ति प्राप्त करने की लालसा 265
- प्रतिशोध की भावना 265
- स्थलीय व्यापार पर एकाधिकार करने की इच्छा 265

अरबों की जीत के कारण 265
- अरबों की सैन्य कुशलता 265
- भारतीय राजवंशों की आपसी फूट 266
- दाहिर की अलोकप्रियता 266
- दाहिर की प्रशासनिक व्यवस्था की खामियां 266

अरब आक्रमण के प्रभाव 266
- आर्थिक प्रभाव 266
- सामाजिक प्रभाव 266
- धार्मिक एवं दार्शनिक प्रभाव 267

सिंध में अरब प्रशासन 267

28. भारतीय साहित्यिक ग्रंथ और उनके प्रतिपाद्य 268–275

संस्कृत साहित्य 268
- धार्मिक साहित्य 268
  - ऋग्वेद 268
  - यजुर्वेद 268
  - सामवेद 268
  - अथर्ववेद 268
  - ब्राह्मण ग्रंथ 268
  - आरण्यक 269
  - उपनिषद् 269
  - वेदांग 269
  - पुराण 270
  - स्मृति 270
  - महाकाव्य 271
- धर्मेतर/ऐतिहासिक साहित्य 271
  - नीतिग्रंथ अर्थशास्त्र 271
  - जीवन चरित–बुद्धचरित 271
  - महाकाव्य 271
  - नाटक 272
- अन्य गद्य साहित्य 273

पालि साहित्य 274
प्राकृत साहित्य 274
तमिल साहित्य 275

बॉक्स/तालिका
- *वेद एवं उनकी शाखाएं* 269
- *वेदांग* 270
- *स्मृति ग्रंथ एवं उनका रचना काल* 270
- *ग्रंथ और उनके भाष्यकार* 270

29. कला एवं स्थापत्य के विकासक्रम के प्रमुख चरण 276–288

क्या भारतीय कला, विदेशी कला से प्रभावित है? 276
पाषाणकालीन कला 276
सिंधु सभ्यता की कला 276
- स्थापत्य कला 276
- मूर्तिकला 277
- मुहर एवं मनके 277
- मृद्भांड कला 277

वैदिक काल की कला 278
पूर्व मौर्यकालीन कला 278
- स्थापत्य कला 278
- मूर्तिकला 278
- स्तूप निर्माण कला 278
  - पिपरहवा का स्तूप 278

मौर्यकालीन कला 279
- स्थापत्य कला 279
- मूर्तिकला 279
- स्तंभ निर्माण कला 279
- गुहा मंदिर निर्माण कला 279
  - बराबर एवं नागार्जुनी गुफा 279

मौर्योत्तरकालीन कला 280
- मूर्तिकला 280
  - मथुरा शैली 280
  - गांधार शैली 280
  - प्रायद्वीपीय भारत की मूर्तिकला 280
  - अमरावती शैली 280

- स्तूप निर्माण कला 281
  - सांची का स्तूप 281
  - भरहुत का स्तूप 281
  - अमरावती का स्तूप 281
  - नागार्जुनकोंडा का स्तूप 281
- गुहा निर्माण कला 281
  - उदयगिरि-खंडगिरि गुहाएं 281
  - भाजा की गुफाएं 282
  - कार्ले की गुफाएं 282
  - अजंता की गुफाएं 282

गुप्तकालीन कला 282
- मूर्तिकला 282
- स्तूप निर्माण कला 282
- गुहा निर्माण कला 283
- चित्रकला 283
  - अजंता के भित्तिचित्र 283
  - बाघ के भित्तिचित्र 283

गुप्तोत्तरकालीन कला 283
- मूर्तिकला 283
  - पल्लव शैली 283
  - चालुक्य शैली 285
- गुहा निर्माण कला 285
  - एलोरा की गुफाएं 285
  - एलिफेंटा की गुफाएं 285
- चित्रकला 286
  - एलोरा एवं सितन्नवासल की चित्रकला 286

मंदिर निर्माण कला 286
- नागर शैली 286
- द्रविड़ शैली 286

संगीत 287
- शास्त्रीय संगीत 287
- लोक संगीत 287
- वाद्य यंत्र 287

नृत्य 287
- शास्त्रीय नृत्य 287
- दरबारी नृत्य 288
- लोक नृत्य 288

30. भारतीय धर्म एवं दर्शन का विकास 289–300

वैदिक धर्म 289

परवर्ती धर्म एवं संप्रदाय 292
- भागवत धर्म 292
- वैष्णव धर्म 292
- शैव धर्म 294
  - शैव धर्म के संप्रदाय 295
- शाक्त संप्रदाय 296

भारतीय दर्शन 298
- सांख्य दर्शन 298
- योग दर्शन 299
- न्याय दर्शन 299
- वैशेषिक दर्शन 299
- पूर्व मीमांसा दर्शन 300
- उत्तर मीमांसा 300

बॉक्स/तालिका

– *अष्टांग योग* 299

31. भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास 301–304

खगोल विज्ञान 301

ज्योतिष विज्ञान 302

समुद्र विज्ञान 302

गणित 302

भौतिक विज्ञान 303

धातु विज्ञान 303

रसायन विज्ञान 303

आयुर्विज्ञान 303

शिल्प एवं प्रौद्योगिकी 304

परिशिष्ट 307–436

1. महत्वपूर्ण तथ्य: एक नजर में 307

ऐतिहासिक तिथिक्रम 307

प्राचीन भारतीय राजवंश, उनके संस्थापक एवं राजधानी 311

प्रमुख अभिलेख एवं शासक 312

विभिन्न शासकों द्वारा जारी किए गए धातुओं के सिक्के 314

प्राचीन ग्रंथ एवं उनके रचनाकार 317
अश्वमेध यज्ञ करवाने वाले भारतीय शासक 321
सिंधु घाटी सभ्यता 321
- सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थल एवं उत्खनन से प्राप्त अवशेष 321

वैदिक काल 323
- ऋग्वेद के मंडल एवं उनके रचनाकार 323
- ऋग्वेद में वर्णित नदियां 323
- ऋग्वेद में कई बार उल्लिखित प्रमुख शब्द 323
- ऋग्वेद में प्रचलित प्रमुख शब्द एवं उनके अर्थ 324
- उत्तर वैदिक काल के प्रमुख राज्य एवं उनके शासक 324
- शतपथ ब्राह्मण में वर्णित 12 रत्नीन 325
- वैदिक काल के पंच महायज्ञ 325
- प्रमुख सोलह संस्कार 325
- विवाह के प्रकार एवं उनकी विशेषताएं 326
- अनुलोम विवाह के उदाहरण 326
- प्रतिलोम विवाह से उत्पन्न संतान 326
- बहुतपतित्व विवाह के उदाहरण 327
- बहुपत्नीत्व विवाह के उदाहरण 327
- वैदिक साहित्य के प्रमुख कथन 327

संगम काल 328
- संगमकालीन शब्दावली 328
- संगमकालीन देवता, धार्मिक प्रतीक एवं परंपराएं 328

जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म 329
- बौद्ध धर्म के केंद्र 329
- बौद्ध आचार्य 329
- बुद्ध के जीवन से संबंधित प्रतीक 329
- प्रमुख स्तूप 329
- जैन संप्रदाय एवं संगीतियां 330
- जैन साहित्य (आगम) 331

मगध साम्राज्य की स्थापना एवं विस्तार 331
- महापद्मनंद द्वारा उन्मूलित राज्य 331

मौर्य काल 331
- अशोक द्वारा भेजे गए धर्म प्रचारक 331
- मौर्य काल के प्रमुख व्यापारिक मार्ग 332
- मौर्यकालीन आंतरिक व्यापार केंद्र 332

मौर्योत्तर काल 332
- मौर्योत्तर काल में उत्पादन के प्रमुख केंद्र 332

गुप्त काल 332
- समुद्रगुप्त द्वारा जीते गए उत्तरी भारत के राज्य 332
- समुद्रगुप्त द्वारा जीते गए उत्तर-पूर्वी सीमा के राज्य 332
- समुद्रगुप्त द्वारा जीते गए उत्तरी-पश्चिमी सीमा के राज्य 332
- गुप्तकालीन सामाजिक व्यवस्था 333
- अमरकोष के अनुसार भूमि के प्रकार 334
- गुप्तकालीन व्यापार 334
- गुप्त काल में श्रेणि व्यवस्था 334
- गुप्तकालीन स्थापत्य कला 335
- गुप्तकालीन गुहा मंदिर/स्तूप 335
- गुप्तकालीन मूर्तिकला 335
- गुप्तकालीन चित्रकला 336

भारतीय धर्म एवं दर्शन का विकास 336
- भारतीय षड्दर्शन और उनके प्रवर्तक 336

2. विगत वर्षों के यूपीएससी/राज्य सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों का विषयवार संग्रह **337**

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत 337
प्रागैतिहासिक काल 338
सिंधु घाटी सभ्यता 339
आर्य एवं वैदिक संस्कृति 342
महापाषाणयुगीन संस्कृति और संगम काल 344
महाजनपदों का उदय, भौतिक संस्कृति का प्रसार तथा द्वितीय नगरीकरण 345
मगध साम्राज्य की स्थापना एवं विस्तार 346
जैन एवं बौद्ध धर्म का उद्भव एवं विकास 347
भारत पर विदेशी आक्रमण 348
मौर्य साम्राज्य 348
मौर्योत्तर काल 351
गुप्त साम्राज्य: उद्भव एवं विकास 353
गुप्तोत्तर काल 355
कला एवं स्थापत्य के विकासक्रम के प्रमुख चरण 358
प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन 359
भारत में शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास 359

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न संग्रह (Multiple Objective Questions—MCQs) **361**